भारत में यूरोपीय कंपनियों का आगमन

1. कारण 2. पुर्तगाली 3. डच 4. अंग्रेज
5. डेनिस 6. फ्रांसीसी 7. स्वीडन

देश	कम्पनी	स्थापन	आगमन	प्रथम फैक्ट्री
1. पुर्तगाल	एस्तादो द इंडिया	1498	1498	कोचीन, केरल (1503)
2. हालैण्ड	वेरिंगिदे ओस्त इण्डिशे कम्पनी	1602	1605	मसूलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश, 1605)
3. इंग्लैण्ड	ईस्ट इंडिया कम्पनी	1600	1608	मसूलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश, 1611)
4. डेनमार्क	ईस्ट इंडिया कम्पनी	1616	1616	ट्रैंक्यूबार (तमिल नाडु, 1620)
5. फ्रांस	कम्पने देस इण्डसे ओरियंतलेस	1664	1668	सूरत (गुजरात, 1668)
6. स्वीडन	ईस्ट इंडिया कम्पनी	1731	1748	

1. पुर्तगाल (1498 - 1961):- प्रथम केंद्र :- कोचीन, केरल (1503)
2. डच (1605 – 1759) :- प्रथम केंद्र :- मसूलीपट्नम (आंध्र) (1605)
3. अंग्रेज (1608 -1947) :- प्रथम केंद्र :- मसूलीपट्नम (आंध्र) (1611)
4. डेनिश (1616 -1745):- प्रथम केंद्र :- ट्रांक्यूबर (1620)
5. फ्रांसीसी (1668 -1954) :- प्रथम केंद्र :- सूरत (1668)

भारत में यूरोपीय कंपनियों का आगमन : कारण

1. **मांस संरक्षण हेतु** → यूरोप में दक्षिण-पूर्व एशियाई मसालों की मांग
2. **दक्षिण पूर्व एशिया की समृद्धि**
   - रेशम मार्ग
   - मार्को पोलो के वृतांत
   - अरब-यूरोप व्यापार
3. **1453 → ऑटोमन साम्राज्य** का कुस्तुनतुनिया पर अधिकार
   - प्राचीन व्यापारिक मार्ग अवरुद्ध
   - एशियाई व्यापार : अरबी
   - यूरोपीय व्यापार : वेनिस व जेनोआ
     - स्थल - (भारत-अफ- इराक-ईरान-तुर्की-यूरोप)
     - समुद्र (अरब सागर - लाल सागर - भूमध्य सागर)
4. **यूरोप में पुनर्जागरण**
   - मानवतावाद
   - धर्म सुधार
   - वैज्ञानिक आविष्कार

मसाला + यूरोप में पुनर्जागरण +1453 में कुस्तुनतुनिया

1. **नवीन समुद्री मार्गों की खोज**
   - ब्राजील (पुर्तगाली नाविक पेड्रो अल्वारेस कैब्रल)
   - अमेरिका (इटली निवासी क्रिस्टोफर कोलंबस, 1492, स्पेन)
   - भारत (1498, वास्कोडिगामा, पुर्तगाल)
   - ऑस्ट्रेलिया (कैप्टन जेम्स कुक, ब्रिटेन)
   - न्यूजीलैंड (एबेल तस्मान , हॉलैंड)
2. **अन्य**
   - सामंती
   - ईसाई
   - औप

पुर्तगाल (1498-1961) : सर्वप्रथम आये - सबसे बाद गये

- आगमन
- सामान्य परिचय
- वास्कोडिगामा
- गवर्नर
- प्रभाव
  - फ्रांसिस्को - डी - अल्मीडा (1505-09
  - अफोंसो-डी-अल्बुकर्क (1509-15)
  - नीनो डी कुन्हा (1529-1598)
  - गार्सिया द नारोन्हा
  - अंतिम - मैनुअल एण्टोनियो (1958-61)

पुर्तगालियों का आगमन

1. भौगोलिक खोजों में स्पेन व पुर्तगाली अग्रणी
2. टॉर्डेसिलस संधि (1494)
   - स्पेन : पश्चिम
   - पुर्तगाल : पूर्व+ दक्षिण अमेरिका पूर्वी भाग (पुर्तगाल - ब्राजील)
3. पुर्तगाल राजकुमार - हेनरी द नेविगेटर (1394-1460)
4. पुर्तगाल राजा जॉन II ने बार्थोलोम्यो डियाज (1487)
   - केप ऑफ स्ट्रोम
   - जॉन II - केप ऑफ गुड हॉप (दक्षिण अफ्रीका)
5. मैनुअल I ने वास्कोडिगामा: 1497 → केप ऑफ गुड हॉप
   - 20 मई 1498 : कालीकट (केरल, भारत)

सहायक : अहमद इब्न मजीदी

पुर्तगाल : सामान्य तथ्य

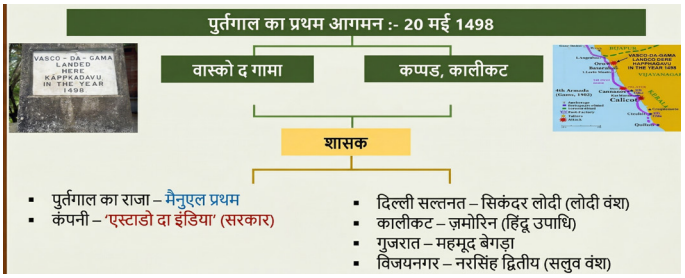

- भारत में सबसे पुराना ईसाई चर्च केरल में स्थापित किया गया था।
- केरल के त्रिशूर जिले का सेंट थॉमस चर्च, भारत का सबसे पुराना चर्च है।
  - इसकी स्थापना 52वी वें ईस्वी में हुई थी।
  - यह सेंट थॉमस द्वारा स्थापित सात चर्चों में से एक है, जो यीशु मसीह के बारह प्रेरितों में से एक थे।
  - सेंट थॉमस ने भारत में पहला दीक्षास्नान (बपतिस्मा) यहीं किया था।
  - चर्च को 2020 में पहले महाधर्मप्रांत (आर्चडायोसिसन) तीर्थयात्री केंद्र का दर्जा दिया गया था।
  - चर्च में इटली के ओर्टोना से लाए गए सेंट थॉमस के अवशेष भी हैं।
  - यह शरापलिक (सात प्रमुख चर्च) का हिस्सा है, जिसे उन्होंने भारत में स्थापित किया था।

Vasco da Gama (1469-1524)

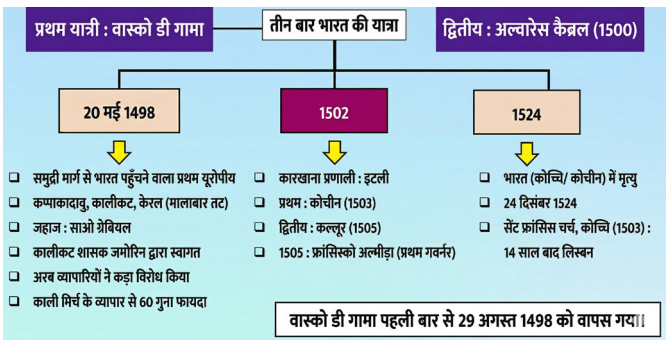

प्रमुख पुर्तगाली गवर्नर

- अल्मीडा (1505-09)
- अल्बुकर्क (1509-15)
- नीनो डी कुन्हा (1529-1538)
- गार्सिया नारोन्हा (1538-40)
- अल्फांसो डिसूजा (1542-45)
- मैनुअल एंटोनियो (1958-61)

1. फ्रांसिस्को डी अल्मीड़ा (1505-09)
   - भारत में प्रथम पुर्तगाली गवर्नर
   - ब्लू वाटर पॉलिसी (शांत जल की नीति) : हिंद महासागर पर नियंत्रण
   - 1508 : चौल का युद्ध - मिस्र ने गर्वनर के बेटे लौरेंको डी अल्मेडा को मारा
   - 1509 : दीव का युद्ध - फ्रांसिस्को ने ओटोमन, वेनिस, मिस्र के मामलुक, गुजरात और कालीकट को हराया
   - अंजदीव और कन्नूर (सेंट एंजेलो किला, केरल) में दुर्गों का निर्माण
2. अफोंसो डी अल्बुकर्क (1509-15)
   - भारत में पुर्तगाली साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक
   - 1503 में प्रथम भारत आगमन
   - साम्राज्य
     - गोवा (1510 : बीजापुर शासक आदिल यूसुफ शाह)
     - मल्लका (1511), होमुर्ज (1515)
     - कृष्णदेवराय से अच्छे संबंध
   - सती प्रथा प्रतिबंध
   - पुर्तगालीयों को भारतीय महिलाओं से विवाह करने के लिए प्रोत्साहित किया
   - इनक्विजिशन : रोमन कैथोलिक चर्च की एक धार्मिक न्यायाधिकरण
   - मृत्यु : 16 दिसंबर 1515, गोवा : मकबरा : ग्रेस कॉन्वेंट, लिस्बन

1814 में कोचीन ब्रिटिश औपनिवेशिक नियंत्रण में आ गया

- कोच्चि का सेंट फ्रांसिस चर्च
- गोवा का बॉम जीज़स चर्च (सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर मकबरा)
- हुगली का बेंडेल चर्च

A) नीनो डी कुन्हा (1529-1538)	➤ 1530 : गोवा को मुख्यालय बनाया (कोचीन से गोवा) ➤ विस्तार : सैन थोम (दक्षिण-पूर्वी तट पर एकमात्र महत्वपूर्ण बस्ती: मद्रास), हुगली, बेसीन, नागपट्टनम (पूर्वी बंदरगाह, तमिलनाडु)
B) गार्सिया द नारोन्हा (1538-40)	➤ दमन, साल्सेर , बंबई , मद्रास व श्रीलंका (सीलोन) में विस्तार
C) अल्फांसो डिसूजा (1542-45)	➤ पादरी फ्रांसिस्को जेवियर: जेसुइट मिशनरी संगठन के सह-संस्थापक ➤ भारत, जापान, मलक्का और चीन में ईसाई धर्म का प्रचार ➤ मृत्यु: 3 दिसंबर 1552 (चीन), गोवा के बोम जीसस चर्च - वार्षिक भोज
D) मैनुअल एण्टोनियो (1958-61)	➤ अंतिम पुर्तगाली गवर्नर (1958- 19 दिसंबर 1961) ➤ ऑपरेशन विजय द्वारा शेष पुर्तगाली बस्तियों (गोवा, दमन , दीव) का विलय

- ➤ 19 दिसंबर 1961 : गोवा मुक्ति दिवस
- ➤ गोवा में समान नागरिक संहिता
- ➤ स्वतंत्रता प्राप्ति के समय गोवा गवर्नर : बोस्सा

प्रभाव

1. तकनीकी योगदान :-

- 1556 में गोवा में प्रिंटिंग प्रेस की स्थापना
- जहाज व हथियार निर्माण की तकनीकें

2. कृषि में योगदान:-

- फसले - मिर्च, आलू, टमाटर, काजू, तंबाकू, पपीता, अनानास और अमरूद
- नवीन फल - पपीता, अनानास, अमरुद, अल्फांसो आम, चीकू आदि

3. सामाजिक व धार्मिक योगदान:-

- भारत में ईसाई धर्म व मिशनरी की शुरुआत
- सती प्रथा को रोकने का प्रयास
- 1867 : गोवा में यूनिफॉर्म सिविल कोड।

4. गोथिक स्थापत्य कला - केरल में सेंट थॉमस चर्च का पुनर्निर्माण

- ➤ कॉफी भारत में 17वीं शताब्दी में सूफी संत बाबा बुदान द्वारा यमन से लाई गई ।
- ➤ उन्होंने चिकमंगलूर की पहाड़ियों में सात कॉफी के बीज लगाए

अन्य तथ्य

1. धार्मिक रूप से अत्यधिक **असहिष्णु**
2. सागर का स्वामी : व्यापारिक एकाधिकार (काली मिर्च व मसाले) हेतु समुद्री नियंत्रण
3. ईसाई धर्म का प्रचार
4. कार्टज - आर्मेडा - काफिला व्यवस्था : हिंद महासागर में भारतीय व अरबी व्यापारियों द्वारा पुर्तगालीयों से परमिट लेने की व्यवस्था।
5. 1632 – 1707:-
   - बंगाल का सूबेदार कासिम खान द्वारा हुगली छीना
     - कारण : हुगली को लूट मार का केंद्र बनाया
   - औरंगजेब ने चटगांव बंदरगाह ("पोर्टो ग्रांडे डी बंगाला" या "बंगाल का भव्य बंदरगाह") छीना
6. पुर्तगाल का 1580 ई. में स्पेन के शासक फिलिप ने विलय। स्पेन एवं पुर्तगाल 1640 ई. तक संयुक्त रहे।
7. 1588 : इंग्लैण्ड ने स्पेनी अरमेड़ा को पराजित करके स्पेन एवं पुर्तगाल की अजेयता का मिथक तोड़ा।
8. 1622 : अंग्रेजों ने ओर्मुज (हरमुज) छीन लिया।
9. 1630 (मेड्रिड सन्धि) : अंग्रेजों व पुर्तगालियों के बीच व्यापारिक शत्रुता बन्द ।
10. 1661 : चार्ल्स द्वितीय ने पुर्तगाल की राजकुमारी कैथरीन ब्रैगांजा से विवाह किया (बंबई को दहेज में दे दिया)
11. 1739 : सालसेट व बसीन पर मराठों क अधिकार।

डच ईस्ट इंडिया कंपनी (1605-1739)

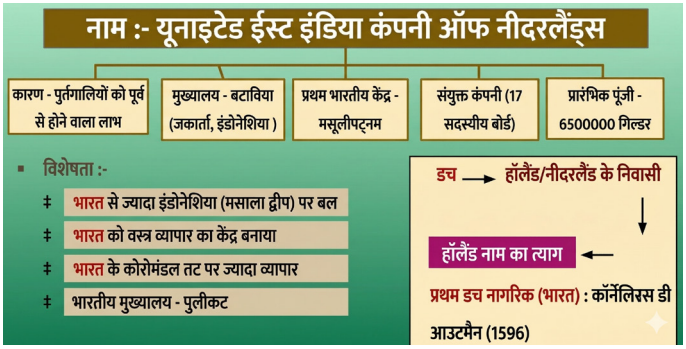

1. प्रमुख भारतीय केंद्र:-

- ❖ मुख्यालय: पुलीकट (1610) - स्वर्ण पैगोडा (सिक्का) - फोर्ट गेल्ड्रिया
- ❖ नागपट्टनम (कोरोमंडल का मुख्य बंदरगाह): वस्त्र व्यापार
- ❖ चिनसुरा (बंगाल 1653) - फोर्ट गुस्तावुस
- ❖ कोच्चि (केरल : 1663)

2. भारत को वस्त्र निर्यात का केंद्र बनाया

- ❖ नील, मसाले, अफीम आदि

3. ड्चों का पतन → बेदरा का युद्ध (नवंबर 1759, चिनसुरा, पश्चिम बंगाल)
   - अंग्रेज : रॉबर्ट क्लाइव, फ्रांसिस फोर्ड, चार्ल्स विल्सन और मीर जाफ़र
   - डच पराजय : भारत के स्थान पर इंडोनेशिया पर ध्यान (जीन-बैप्टिस्ट रूसो)

कोलाचेल की लड़ाई

- ❖ कोलाचेल (1741) — कन्याकुमारी, तमिलनाडु
- ❖ युद्ध के पक्ष
  - त्रावणकोर राज्य –महाराजा मार्तांड वर्मा (1729–1758)
  - डच ईस्ट इंडिया कंपनी –यूस्ताखियस डे लन्नॉय
- ❖ परिणाम: → त्रावणकोर की निर्णायक विजय हुई।